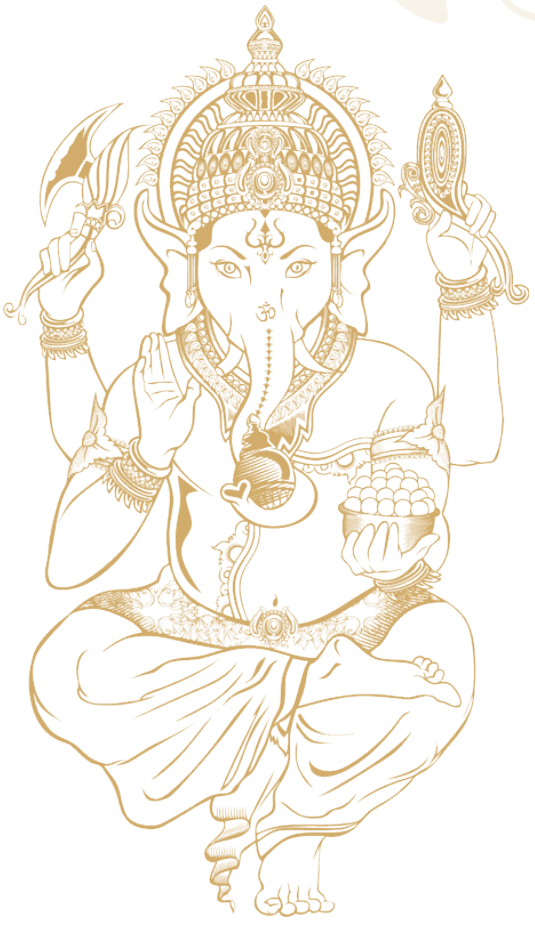

Manish Saloni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121848404

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/12/1996	जन्म तिथि	10/01/1998
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 13:05:00	जन्म समय	16:25:00 घंटे
घटी 14:42:03	जन्म समय(घटी)	22:50:03 घटी
India	देश	India
Saharanpur	स्थान	Muzaffarnagar
29:58:00 उत्तर	अक्षांश	29:28:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:12:10	सूर्योदय	07:15:18
17:24:56	सूर्यास्त	17:38:13
23:48:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:42

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 1वर्ष 1मा 29दि		24:05:30	मीन	लग्न	मिथु	11:03:46	मंगल 4वर्ष 3मा 22दि	
राहु		06:55:36	धनु	सूर्य	धनु	26:09:55	गुरु	
20/02/2015		07:24:50	वृष	चंद्र	वृष	28:27:07	04/05/2020	
20/02/2033		01:55:10	कन्या	मंगल	मक	24:23:14	04/05/2036	
राहु	03/11/2017	25:12:30	धनु	बुध	धनु	03:28:21	गुरु	22/06/2022
गुरु	28/03/2020	29:08:27	धनु	गुरु	कुंभ	00:26:27	शनि	02/01/2025
शनि	02/02/2023	12:31:44	वृश्चि	शुक्र व	मक	05:51:40	बुध	10/04/2027
बुध	21/08/2025	07:06:50	मीन	शनि	मीन	20:16:30	केतु	16/03/2028
केतु	09/09/2026	10:09:09	कन्या व	राहु व	सिंह	18:02:01	शुक्र	15/11/2030
शुक्र	09/09/2029	10:09:09	मीन व	केतु व	कुंभ	18:02:01	सूर्य	03/09/2031
सूर्य	03/08/2030	08:56:05	मक	हर्ष	मक	13:48:46	चन्द्र	02/01/2033
चन्द्र	02/02/2032	02:39:57	मक	नेप	मक	05:27:54	मंगल	09/12/2033
मंगल	20/02/2033	10:13:56	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:14:41	राहु	04/05/2036

लग्न-चलित

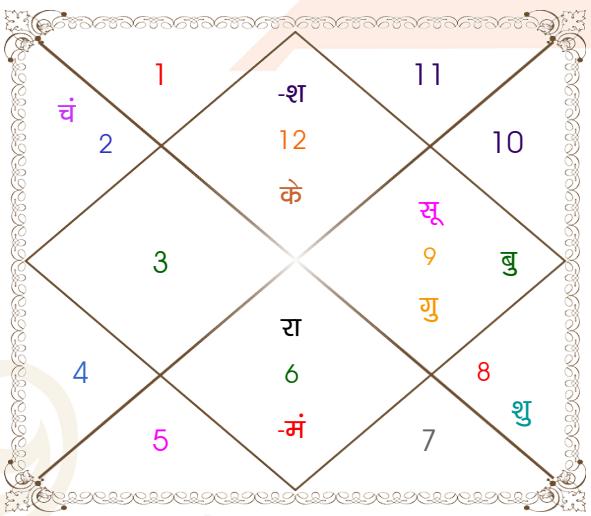

लग्न-चलित

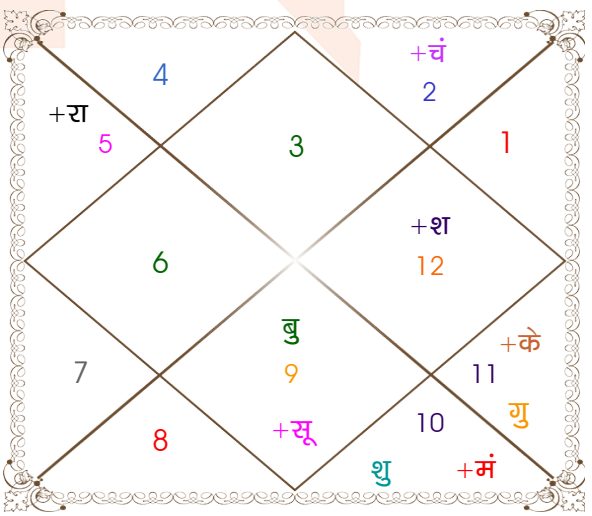

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

डंदपेी का वर्ग गरूड़ है तथा Saloni का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डंदपेी और Saloni का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डंदपेी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डंदपेी कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Saloni मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Saloni कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Saloni कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डंदपी तथा Saloni में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।